भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 3848**

वाणिज्य विभाग

दिनांक 12 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

हल्दी का निर्यात

3848. श्री अरविंद धर्मापुरी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विश्वभर में हल्दी के निर्यात में भारत के योगदान का ब्यौरा क्या है और वर्ष 2020 से भारत से निर्यात की गई हल्दी की कुल मात्रा कितनी है;

(ख) हल्दी के निर्यात की मात्रा के अनुसार राज्यवार कितना समरूप राजस्व सृजित हुआ है;

(ग) वर्ष 2020 से भारत की हल्दी के शीर्ष 5 सबसे बड़े आयातक कौन हैं और उन्हें वर्षवार निर्यात की गई हल्दी की मात्रा कितनी है;

(घ) सरकार द्वारा हाल ही में हल्दी के निर्यात को बढ़ावा देने और निर्यात गंतव्य स्थलों में विविधता लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ङ) सरकार द्वारा हल्दी की निर्यात खेप के लिए उचित कागजी कार्रवाई और प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) क्या किसानों और विक्रेताओं को जागरूक करने के लिए कोई जागरूकता कदम उठाए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): वर्ष 2020 से हल्दी के विश्व निर्यात में भारत के योगदान का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है। वर्ष 2020 से भारत से हल्दी के निर्यात की मात्रा अनुबंध-II में दी गई है।

(ख): वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक हल्दी के निर्यात से राज्यवार प्राप्त राजस्व का ब्यौरा अनुबंध-III में दिया गया है।

(ग): वर्ष 2020 से भारतीय हल्दी के शीर्ष पाँच आयातक बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, मलेशिया और मोरक्को हैं। वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक की अवधि के लिए उन्हें निर्यात की गई हल्दी की मात्रा अनुबंध-IV में दी गई है।

(घ), (ङ) और (च): भारत सरकार मसाला बोर्ड के माध्यम से "निर्यात विकास के लिए प्रगतिशील, नवीन और सहयोगात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से मसाला क्षेत्र में स्थिरता (स्पाइस्ड)" योजना को कार्यान्वित कर रही है, जिसके अंतर्गत हल्दी सहित मसालों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन तंत्र/प्रमाणन, फसलोपरांत गुणवत्ता उन्नयन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए सहायता, गुणवत्ता सुधार और उद्यमिता विकास के उद्देश्य से हल्दी के हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना; आयातक देशों की गुणवत्ता विनिर्दिशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं के माध्यम से हल्दी की निर्यात खेपों का गुणवत्ता मूल्यांकन और किसानों/किसान समूहों, निर्यातकों/प्रसंस्करणकर्ताओं और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के बीच सीधा बाजार संपर्क स्थापित करने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठकों (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) का आयोजन शामिल हैं।

इसके अलावा, हल्दी और हल्दी उत्पादों की क्षमता का दोहन करने के लिए, दिनांक 04.10.2023 की अधिसूचना के तहत "राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड" का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया:-

i.हल्दी में नए उत्पाद विकास और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना;

ii.अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हल्दी और हल्दी उत्पादों के बारे में जागरूकता और उपभोग को बढ़ावा देना;

iii.मूल्यवर्धित हल्दी उत्पादों के विकास के लिए संभावित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बाजार अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना;

iv.हल्दी और हल्दी उत्पादों के निर्यात के लिए अवसंरचना और रसद के निर्माण और सुधार को सुगम बनाना;

v.फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज को सुदृढ़ करके हल्दी और हल्दी उत्पादों के लिए लचीली और टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण को प्रोत्साहित करना;

vi.हल्दी की आपूर्ति श्रृंखला में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देना;

vii.मूल्यवर्धन गतिविधियों के लिए हल्दी उत्पादकों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देना;

viii.हल्दी और इसके अनुप्रयोगों के उपयोग से संबंधित पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण को मजबूत करना;

ix.हल्दी के औषधीय, स्वास्थ्य और कल्याण बढ़ाने वाले गुणों पर अध्ययन, नैदानिक परीक्षण और अनुसंधान को प्रोत्साहित करना; और

x. हल्दी क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित कोई अन्य उद्देश्य।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 12.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3848 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

हल्दी के विश्व निर्यात में भारत का योगदान (मूल्य मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

वर्ष	भारत	विश्व	भारत का हिस्सा
2020	232.38	349.58	66%
2021	225.54	367.70	61%
2022	214.82	373.24	58%
2023	212.69	342.67	62%
2024	333.25	502.74	66%

स्रोत: मसाला बोर्ड

अनुबंध-II

दिनांक 12.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3848 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

भारत से हल्दी का निर्यात	
वर्ष	**मात्रा (मीट्रिक टन)**
2020-21	183,868
2021-22	152,758
2022-23	170,085
2023-24	162,019
2024-25	176,325
	स्रोत: मसाला बोर्ड

अनुबंध-III

दिनांक 12.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3848 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

हल्दी का राज्यवार निर्यात (राज्य के प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से)					
	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
राज्य	मूल्य (मिलियन डॉलर)	मूल्य (मिलियन डॉलर)	मूल्य (मिलियन डॉलर)	मूल्य (मिलियन डॉलर)	मूल्य (मिलियन डॉलर)
महाराष्ट्र	78.21	92.41	93.96	92.23	155.35
पश्चिम बंगाल	40.10	26.24	32.36	39.50	48.54
केरल	34.32	30.62	31.01	35.07	46.77
गुजरात	17.56	16.48	17.95	20.06	37.16
तमिलनाडु	21.84	23.23	19.90	26.53	34.29
कर्नाटक	27.19	8.57	3.42	2.43	5.68
राजस्थान	1.86	2.01	1.66	2.44	3.53
तेलंगाना	2.57	1.13	1.56	1.74	2.64
आंध्र प्रदेश	2.31	0.51	1.16	1.96	2.19
बिहार	2.55	2.72	1.52	1.76	2.13
मध्य प्रदेश	1.39	1.65	1.22	1.15	1.34
उत्तर प्रदेश	1.20	0.92	0.56	0.82	0.92
दिल्ली	0.53	0.46	0.37	0.44	0.63
हरियाणा	0.64	0.76	0.66	0.29	0.17
कुल	**232.41**	**205.87**	**207.45**	**226.58**	**341.54**

स्रोत: मसाला बोर्ड

अनुबंध-IV

दिनांक 12.08.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3848 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

मात्रा ('000 टन में)

भारतीय हल्दी के शीर्ष पांच आयातकों को हल्दी का वर्षवार निर्यात					
	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
देश	**मात्रा**	**मात्रा**	**मात्रा**	**मात्रा**	**मात्रा**
बांग्लादेश	51308.20	25256.46	34523.90	37577.13	34073.12
यू.ए.ई.	13795.79	22500.41	18980.25	17316.11	25135.96
यूएसए	10693.83	8266.66	7009.43	8602.79	8536.35
मलेशिया	7987.70	8058.84	6829.46	8465.90	8825.86
मोरक्को	8906.01	9505.43	10663.63	7826.43	9390.32

स्रोत: मसाला बोर्ड